Hindi :

Table of Contents

1. कवि से परिचय
2. कविता: □त बाँधो □

कवि से परिचय

महादेवी वर्मा हिंदी की सुप्रसिद्ध कवयित्री हैं जिनका जन्□ फर्रूखाबाद , उत्तर प्रदेश में हुआ था। उन्होंने बचपन से ही कविता लेखन □
लिए उनकी प्रसिद्ध कविताओं में 'बारहमासा ', 'आज खरीदेंगे ह□ ज्वाला ', 'अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी ' शामिल हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने भा
जैसे 'मेरा परिवार ', 'अतीत के चलचित्र ', 'स्मृति की रेखाएँ ' और 'पथ के साथी '। उनकी गद्य रचनाएँ पाठकों के मन में गहरी छाप छोड़ती हैं। उनके
'नीहार ', 'रश्मि ', 'नीरजा ', 'सांध्य गीत ' और 'दीपशिखा ' शामिल हैं। महादेवी वर्मा को भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वे एक
और चित्रकला में भी निपुण थीं।

Prepzy

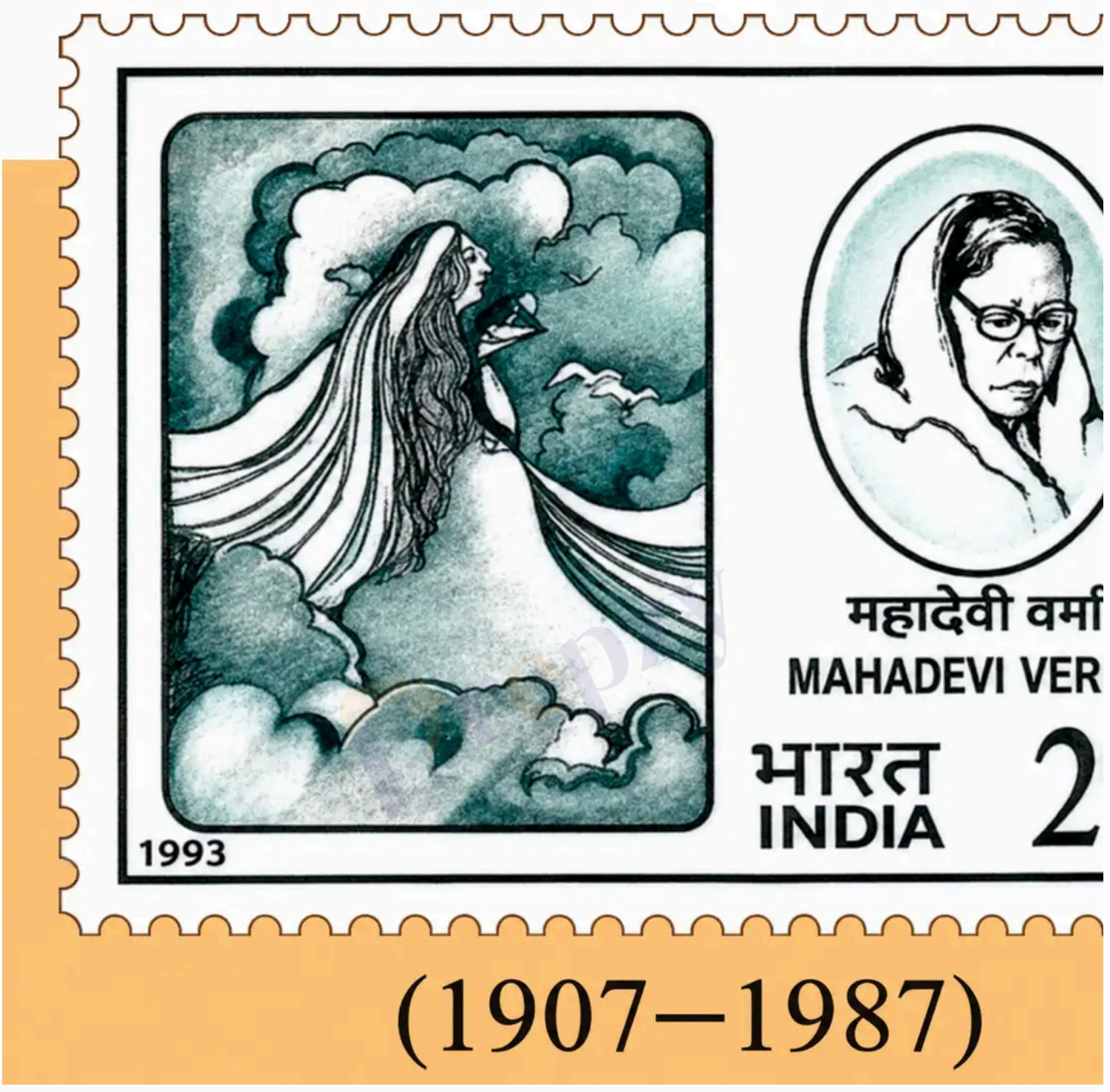

महादेवी वर्मा
MAHADEVI VER
भारत
INDIA
2
1993

(1907—1987)

मुख्य बिंदु

- जन्म स्थान : फर्रूखाबाद, उत्तर प्रदेश
- प्रारंभिक लेखन : बचपन से कविता लेखन
- प्रसिद्ध बाल कविताएँ : बारहमासा, आज खरीदेंगे हम ज्वाला, अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी
- प्रसिद्ध गद्य रचनाएँ : मेरा परिवार, अतीत के चलचित्र, स्मृति की रेखाएँ, पथ के साथी
- प्रमुख कविता संग्रह : नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्य गीत, दीपशिखा
- सम्मान : भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार
- अन्य प्रतिभाएँ : चित्रकला

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

महादेवी वर्मा की कविताओं में भावपूर्ण अभिव्यक्ति और सरल भाषा का समावेश होता है, जो पाठकों को गहराई से प्रभावित करती है।

अभ्यास प्रश्न

- महादेवी वर्मा का जन्म कहाँ हुआ था?
- उनकी कौन-कौन सी बाल कविताएँ प्रसिद्ध हैं?
- महादेवी वर्मा को कौन सा पुरस्कार मिला?

उत्तर कुंजी

- फर्रूखाबाद, उत्तर प्रदेश
- बारहमासा, आज खरीदेंगे हम ज्वाला, अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी
- भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार

शब्दावली

- कवयित्री : महिला कवि
- गद्य : निबंधात्मक लेखन
- कविता संग्रह : कविताओं का संकलन
- भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार : भारत का एक प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कार

कविता : मत बाँधो

सारांश **:** यह कविता सपनों की स्वतंत्रता और उनकी गति को रोकने के विरुद्ध है। कवयित्री कहती हैं कि सपनों के पंख न काटे जाएं और उनकी उड़ा
उड़ना आवश्यक है क्योंकि वे नई ऊँचाइयों को छूते हैं और जीवन में प्रगति लाते हैं। यदि सपनों को रोक दिया जाए तो वे कभी फलित नहीं हो स
तत्वों जैसे अग्नि, धूल, नभ, मेघ, किरणों का उपयोग सपनों की गति और स्वतंत्रता को दर्शाने के लिए किया गया है।

Prepzy

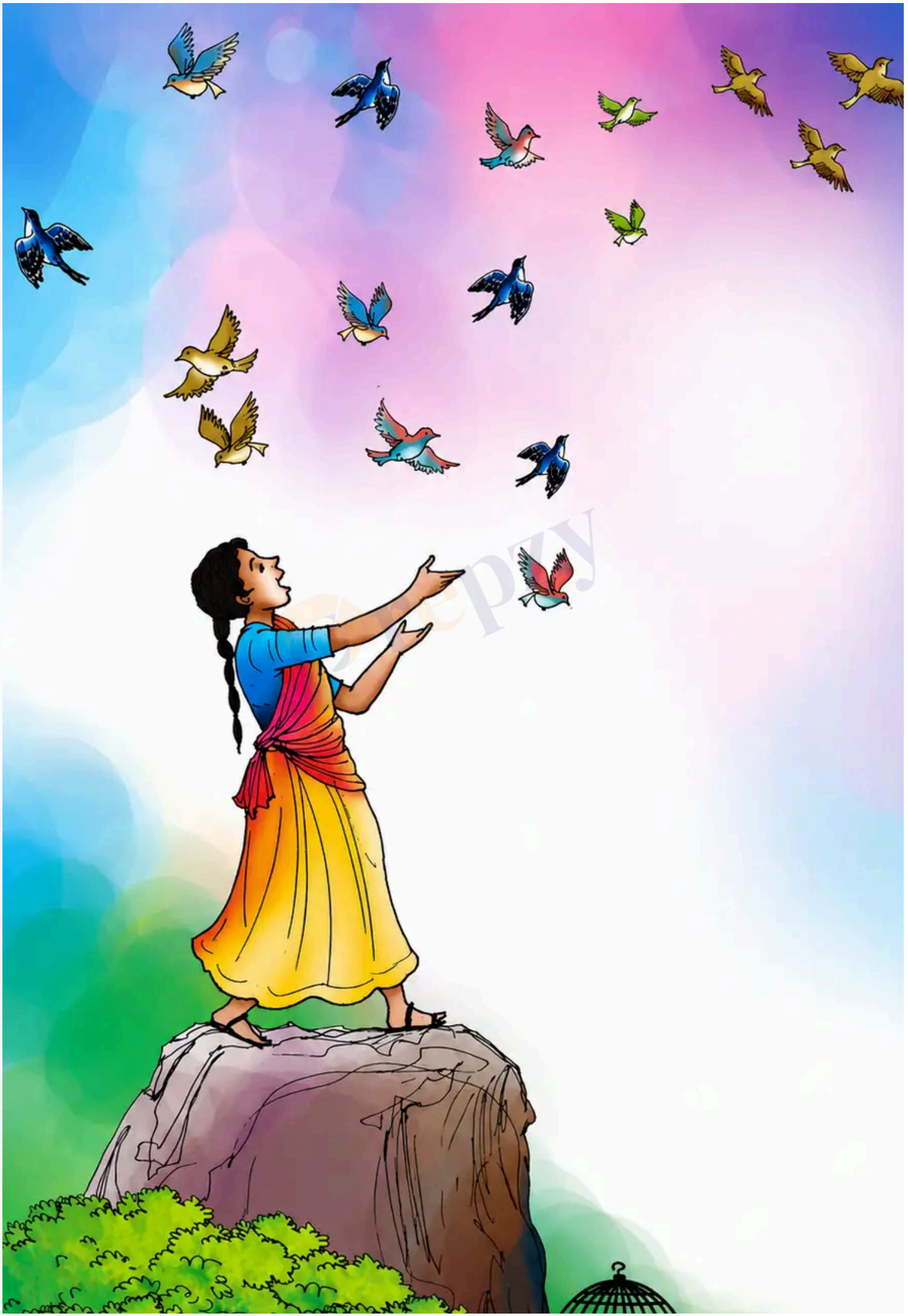



मुख्य बिंदु

- कविता का विषय : सपनों की स्वतंत्रता और उनकी गति
- कवयित्री का संदेश : सपनों को रोकना या बाँधना गलत है
- प्राकृतिक तत्वों का प्रयोग : अग्नि , नभ, धूल , मेघ , किरणें
- काव्य अलंकार : अनुप्रास , रूपक, उपमा
- भाव : आशा, स्वतंत्रता , प्रेरणा

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"इन सपनों के पंख न काटो
इन सपनों की गति मत बाँधो !"

"सौरभ उड़ जाता है नभ में
फिर वह लौट कहाँ आता है ?"

"अग्नि सदा धरती पर जलती
धूम गगन में मँडराता है !"

हल किए गए उदाहरण

प्रश्न **:** कविता में सपनों की गति को रोकने के विरुद्ध कवयित्री क्या कहती हैं ?
उत्तर **:** कवयित्री कहती हैं कि सपनों के पंख न काटे जाएं और उनकी गति को न रोका जाए क्योंकि सपनों के बिना जीवन में प्रगति संभव नहीं है
चाहिए ताकि वे उड़ सकें और नई ऊँचाइयों को छू सकें।

अभ्यास प्रश्न

- स्तर 1 – सरल: कविता का मुख्य संदेश क्या है ?
- स्तर 2 – मध्यम: कविता में किन प्राकृतिक तत्वों का प्रयोग हुआ है और उनका क्या अर्थ है ?
- स्तर 3 – कठिन: कविता में सपनों की स्वतंत्रता का महत्व विस्तार से समझाइए।

उत्तर कुंजी

- सपनों की स्वतंत्रता और उनकी गति को रोकना गलत है।
- अग्नि , नभ, धूल , मेघ , किरणें – ये तत्व सपनों की गति और जीवन में प्रगति का प्रतीक हैं।
- सपनों की स्वतंत्रता से व्यक्ति नई ऊँचाइयों को छू सकता है , जीवन में प्रगति करता है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाता है।

शब्दावली

- सपना : मन में कल्पना या इच्छा
- गति : चलने या बढ़ने की दिशा
- नभ: आकाश
- अग्नि : आग
- धूलि : मिट्टी या धूल
- मुक्त : स्वतंत्र

Prepzy

- [illegible]: [illegible] [illegible]
- [illegible]: [illegible] [illegible]